भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना

तारीख: 15-02-2024

<u>झारखंड राज्य में पुनः ओलावृष्टि एवं वज्रपात की संभावना</u>

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मौसम विज्ञान केंद्र, रांची द्वारा प्राप्त पूर्वानुमान के अनुसार झारखंड राज्य में पुनः 16 फरवरी, 2024 को राज्य के मध्य जिलों (रांची, खूंटी और गुमला) एवं दक्षिणी जिलों (सिमडेरा, पश्चिम सिंगभुम, पूर्वी सिंगभुम और सराईकेला करसावा) में कहीं-कहीं पर ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है। राज्य के इन सात जिलों के साथ-साथ लातेहार और रामगढ़ में भी कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन एवं वज्रपात की संभावना है। 16 फरवरी की सुबह तक राज्य के अधिकतर जिलों में घने स्तर के कुहासे का भी पूर्वानुमान है। आने वाले एक सप्ताह में औसत न्यूनतम तापमान 10-18°से० एवं औसत अधिकतम तापमान 23-32°से० तक रहने की संभावना है। इस मौसम में परिपक्वता पर पहुँच चुकी सब्जियों और फलों को नुकसान झेलना पड़ सकता है, ऐसे में अद्यतन स्थिति पर नजर रखें एवं सतर्क रहें।

किसान बंधु क्या करें:

- पक चुकी सब्जियों जैसे गाजर, फ्रास बीन, फूलगोभी, आलू, टमाटर, मटर, इत्यादि और फलों जैसे बेर, स्ट्रॉबेरी, अमरूद इत्यादि को तोड़ कर सुरक्षित जगह पर रख दें।
- सब्जी की नर्सरी के बचाव के लिए प्लास्टिक अथवा शेडनेट से ढक दें/ सुरक्षित जगह पर रख दें।
- टमाटर के खेत में झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देने पर मौसम साफ हो जाने के बाद रिडोमिल गोल्ड का 2 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
- सब्जियों के पौधों को झुकने से बचाने के लिए बाँस का सहारा दें।
- खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें।
- वानिकी एवं फल वर्गीय छोटे पौधों को झाड़ियों या प्लास्टिक से ढक दें।
- खेत या मेड़ों पर लगे वनीय वृक्षों जैसे गमहार, सागोन, सखुआ और बकैन की टहनियों के टूटने से नीचे लगी फसलों को नुकसान हो सकता है, इसलिए अत्यधिक लम्बी टहनियों की कटाई-छटाई कर लें ।
- ओलावृष्टि के बाद मौसम साफ हो जाने पर क्षतिग्रस्त फसलों पर 2% यूरिया का छिड़काव करें।
- पशुगृह के दरवाजे पर जूट या तिरपाल का पर्दा बांधें।
- दुधारू पशुओं एवं नवजात पशुओं की पीठ पर जूट का थैला या गर्म कपड़ा बांधें।
- पशुओं को पौष्टिक भोजन दें और बिस्तर सामग्री को प्रतिदिन सूखा रखें।

- स्मार्ट फोन उपयोगकर्ता वज्रपात की अधिक सटीक जानकारी हेतु मोबाइल अप्लीकेसन “दामिनी” का उपयोग करें और समयानुसार ही अपने दैनिक खेती के कार्य करें।

किसान बंधु क्या न करें:

- कृषक बंधु बिजली चमकने के दौरान खेतों में न जाएं, पेड़ों के पास आश्रय न लें और मौसम के साफ होने की प्रतीक्षा करें।
- ऊंचे पेड़ों एवं बिजली के खंबों से दूर रहें और मौसम के साफ होने तक निकटतम पक्के मकानों में ही रुकें।
- वर्षा, मेघ गर्जन ,वज्रपात एवं ओलावृष्टि के दौरान पशुधन को खुले स्थान पर न छोड़े।

यह कृषि मौसम परामर्श भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के वैज्ञानिकों द्वारा दिया गया है।